सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 338 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 16 जनवरी, 2025
मूल्य ₹ 3/-

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने रचा... 7 | मिल्कीपुर उपचुनाव: जाति पर ही... 3 | सिर्फ झूठी बातें करते हैं भाजपाई... 2

सबसे बड़ा गुरु मंत्र है, कभी भी अपने राज दूसरों को मत बताएं। ये आपको बर्बाद कर देगा।

-चाणक्य

दहशत के साये में मुंबई
घिर गई फडणवीस सरकार

» लीलावती हॉस्पिटल में मौत और जिंदगी के बीच अभिनेता सैफ

» बॉलीवुड में डर पैदा करने के इरादे से दिया गया घटना को अंजाम!

देश की आर्थिक राजधानी में तीसरी बड़ी घटना

सैफ अली खान को चाकू से मारने की कोशिश

» कानून-व्यवस्था को लेकर विपक्ष महायुति सरकार पर हमलावर

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मायानगरी मुंबई में एक बार फिर दिल दहला देने वाली घटना घटित हुई है। एक्टर सैफ अली खान पर उनके घर में एक व्यक्ति ने चाकू से हमला कर घायल कर दिया है। सैफ को 6 बार चाकू मारा गया। उनकी हालत चिंताजनक है और लीलावती अस्पताल में उनका इलाज चल रह है। जिस समय उनपर हमला हुआ उस समय उनकी पत्नी करीना कपूर और बच्चे घर पर सो रहे थे।

हमले की कई कहानियां सामने आ रही है। पुलिस ने तीन घरेलू नौकरों को पूछताछ के लिए गिरफ्तार किया है वहीं चाकू मारने वाल शख्स फरार बताया जा रहा है। क्राइम ब्रांच की सात टीमे इस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। सैफ पर हमले के बाद मुंबई में अफरातफरी का माहौल है। फडणवीस सरकार के गठन के बाद यह तीसरी बड़ी वारदात है जिससे पूरी मायानगरी दहल गयी है। विपक्ष इसे गुंडाराज बता कर मायानगरी में डर पैदा कर बालीवुड से वसूली की दिशा में उठाया गया हथकंडा बता रहा है।

परिजनों ने की धैर्य बनाये रखने की अपील

घटना के बाद सैफ और करीना दोनों की टीमों ने प्रशंसकों से धैर्य बनाये रखने की अपील की है। करीना कपूर की टीम ने कहा कि सैफ के हाथ में चोट लगी है, उनका इलाज हो रहा है। परिवार के बाकी सदस्य ठीक हैं। हम मीडिया और फैंस से अनुरोध करते हैं कि वे धैर्य रखें और अटकलें न लगाएं। हमले में घायल एक्टर सैफ अली खान का इलाज कर रहे डॉक्टर्स ने पुष्टि की है कि सैफ के शरीर पर छह बार चाकू से हमले किए गए हैं। जिसमें दो जख्म काफी गहरे हैं। सैफ अली की टीम ने भी एक बयान जारी किया है जिसमें कहा गया है कि सैफ अली खान के घर में चोरी की कोशिश की गई थी। उनकी अस्पताल में सर्जरी हो रही है। लीलावती अस्पताल के सीईओ डॉ. नीरज उत्तमानी ने कहा कि सैफ को उनके बांद्रा स्थित घर में एक अज्ञात व्यक्ति ने चाकू घोंपा और उन्हें सुबह 3:30 बजे लाया गया। उत्तमानी ने कहा कि सैफ को छह चाकू घोंपे गए हैं जिनमें से दो गहरे हैं। यह रीढ़ के पास है। न्यूरोसर्जन डॉ. नितिन डांगे, कॉस्मेटिक सर्जन डॉ. लीना जैन और एनेस्थेटोलॉजिस्ट डॉ. निशा गांधी के नेतृत्व में डॉक्टरों की एक टीम उनका ऑपरेशन कर रही है।

सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने जताई नाराजगी

बॉलीवुड स्टार सैफ अली खान पर चाकू से हमला होने की खबर से पूरी फिल्म इंडस्ट्री सदमे में है। वहीं, अब ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन (एआईसीडब्ल्यूए) ने इस हमले की गहन जांच की मांग की है।

एआईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष सुरेश श्यामलाल गुप्ता के एक बयान में कहा, बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर उनके आवास पर डकैती के प्रयास के बाद हुए चौंकाने वाले हमले ने इंडस्ट्री में डर का माहौल पैदा कर दिया है। यह घटना बाबा सिद्दीकी की दुखद हत्या के तुरंत बाद हुई है, जिससे मुंबई में हाई-प्रोफाइल व्यक्तियों को टारगेट करने के अपराधों के बारे में चिंताएं और बढ़ गई हैं।

सैफ अली खान पर हमला चिंता का विषय : क्लाइड क्रैस्टो

शरद पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी खेमे के प्रवक्ता क्लाइड क्रैस्टो ने कहा कि अगर सैफ अली खान जैसे हाई-प्रोफाइल लोगों पर उनके घरों में हमला किया जा सकता है, तो आम नागरिकों की सुरक्षा पर सवाल उठते हैं। उन्होंने लिखा कि सैफ अली खान पर हमला चिंता का विषय है क्योंकि अगर इतने उच्च स्तर की सुरक्षा वाले लोगों पर उनके घरों में हमला हो सकता है, तो आम नागरिकों का क्या हो सकता है? पिछले कुछ वर्षों में नरमी के कारण महाराष्ट्र में कानून का डर कम होता दिख रहा है।

बहादुरी से लड़े सैफ

सैफ अली खान और करीना कपूर खान के घर में चोरी की कोशिश की गई। सूत्रों के अनुसार, घटना के समय करीना और उनके बच्चे घर पर थे। एक सूत्र ने दावा किया कि सैफ ने अपने परिवार की रक्षा के लिए बिना हथियार के चोर से लड़ाई की। सैफ ने हमलावरों से बहादुरी से मुकाबला किया और परिवार को नुकसान पहुंचने से बचाया। इस हाथापाई में वह घायल हो गए। हमलावर के पास हथियार था, जबकि, सैफ निहत्थे थे।

सुप्रिया सुले ने जताई चिंता

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद गुट) के नेता सुप्रिया सुले ने गुरुवार को बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर हुए हमले की निंदा की। उन्होंने मुंबई में सैफ के घर पर ही एक शख्स की ओर से किए गए हमले पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि अभिनेता को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और वह सुरक्षित हैं। सुले ने पुणे के बारामती में मीडियाकर्मियों की मौजूदगी में करिश्मा कपूर से फोन पर बात की। सुले को करिश्मा कपूर ने बताया कि सैफ अली खान अस्पताल में थे, जबकि करीना घर लौट आई थीं। सांसद करीना कपूर खान की मौसी रीमा जैन की दोस्त हैं, जो फिल्म निर्माता और अभिनेता दिवंगत राज कपूर की बेटी हैं।

देश में सेलेब्रिटी सुरक्षित नहीं हैं तो आम लोगों का क्या होगा : प्रियंका चतुर्वेदी

शिवसेना (यूबीटी) से राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने पूछा कि अगर मशहूर हस्तियां सुरक्षित नहीं हैं, तो मुंबई में कौन है। उन्होंने कहा कि कितनी शर्म की बात है कि मुंबई में जान से मारने की एक और हाई-प्रोफाइल कोशिश देखी गई, सैफ अली खान पर हमला एक बार फिर मुंबई पुलिस और गृह मंत्री पर सवाल उठाता है। यह घटनाओं की एक श्रृंखला के बाद है जो दर्शाता है कि बड़े नामों को निशाना बनाकर मुंबई को कमजोर करने का एक जानबूझकर प्रयास किया गया है। चतुर्वेदी ने उस हमले का भी जिक्र किया जिसमें अनुभवी राजनेता बाबा सिद्दीकी की मौत हो गई और अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर गोलीबारी हुई।शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा कि सैफ अली खान के घर में घुसकर चोरों ने उन पर रात को जानलेवा हमला किया। चाकू घोंपकर उन्हें घायल कर दिया। उन्हें लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया। ये सब खबर सुनकर मन बहुत दुखी होता है कि अगर इस देश में सेलीब्रेटी सुरक्षित नहीं है तो आम लोगों का क्या होगा?

सिर्फ झूठी बातें करते हैं भाजपाई : अखिलेश यादव

बोले- बीजेपी को हराने वाली पार्टियों का साथ दें इंडिया गठबंधन के सहयोगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा झूठी पार्टी है। भाजपा के लोग झूठी बातें करते है। नफरत और भेदभाव की राजनीति करते हैं। उत्तराखण्ड के दौरे पर बुधवार को हरिद्वार में मीडिया से बात करते हुए श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी, कांग्रेस सभी भाजपा को हराना चाहते हैं। आम आदमी पार्टी दिल्ली में बहुत मजबूत है। इसीलिए समाजवादी पार्टी आप को समर्थन कर रही है।

श्री यादव ने कहा है कि इंडिया गठबंधन इन्टैक्ट है। जब इंडिया गठबंधन बनाया गया था, तभी यह कहा गया था कि जिस राज्य में जो क्षेत्रीय दल मजबूत होगा, उसकी मदद की जाएगी। इंडिया गठबंधन के सभी नेताओं को मिलकर भाजपा के खिलाफ मजबूती से लड़ने वाली पार्टी के साथ खड़ा होना चाहिए। दिल्ली में आप मजबूत है इसलिए हम वहां आम आदमी पार्टी के साथ है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा विकास और सद्भाव के बजाय देश की राजनीति को दूसरी तरफ ले जाने का प्रयास कर रही है। हमारा धर्म सबको अपनाता है। टॉलरेंस सिखाता है। हमारे धर्म की यह सबसे कीमती चीज है हमें उसको किसी भी कीमत पर बचाए रखना है। अभी पिछले दिनों हम सबने स्वामी विवेकानन्द जी की जयंती मनाई। स्वामी विवेकानन्द ने शिकागो में अपने भाषण में कहा था कि हम उस देश से आते हैं, उस धर्म से हैं जिसने सबको स्वीकार किया है।

चाचा की अस्थियों को गंगा में किया प्रवाहित

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पूरे परिवार के साथ हरिद्वार में अपने चाचा राजपाल सिंह यादव की अस्थियों को विधि विधान के साथ मंत्रोच्चार के बीच गंगा जी में नमामि घाट पर विसर्जित किया। श्री राजपाल सिंह यादव का 9 जनवरी को निधन हो गया था। वे 73 वर्ष के थे। हरिद्वार में अस्थियों को गंगा में विसर्जित करने के अवसर पर अखिलेश यादव के परिवार से प्रो. रामगोपाल यादव, श्री शिवपाल सिंह यादव, अनुराग यादव, धर्मेन्द्र यादव, अभिषेक यादव अंशुल समेत परिवार के अन्य सदस्य एवं पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, सांसद हरेन्द्र मलिक समेत अन्य नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यूसीसी से ज्यादा विकास, तरक्की और रोजगार की आवश्यकता

अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तराखण्ड को यूसीसी (समान नागरिक संहिता) से ज्यादा विकास, तरक्की और रोजगार की आवश्यकता है। जब उत्तराखण्ड बना था उस समय लोकसभा में उत्तराखण्ड को लेकर जो चर्चा हुई थी, उसे पूरा करना और उसको आगे बढ़ाना जरूरी है। उत्तराखण्ड के बड़े हिस्से में अभी विकास नहीं हुआ है। उत्तराखण्ड को लेकर जो सपना देखा गया था,वह अधूरा है। उत्तराखण्ड बनाते समय जो संसद में बात हुई थी, उन चीजों को करना जरूरी है।

महाकुंभ की कमियों को दूर करे सरकार

अखिलेश यादव ने कहा कि महाकुंभ का आयोजन हजारों साल से होता आ रहा है। हमारे ऋषि-मुनि जिन्हें हम कभी नही देख पाते, महाकुंभ के समय उनका दर्शन होता है। उनके आने से महाकुंभ की शोभा बढ़ती है। आज के समय में जब इतने साधन, संसाधन है, सब कुछ लाइव हो रहा है, ऐसे समय में कमियां होती हैं तो लोग सवाल उठाते हैं। हमें उम्मीद है सरकार उन तमाम कमियों पर ध्यान देगी, सुधार करेगी क्योंकि अभी महाकुंभ बहुत दिनों तक चलना है। अखिलेश यादव ने कहा कि मां गंगा हरिद्वार से लेकर पश्चिम बंगाल में आखिरी छोर तक जाती हैं। हर जगह का अपना महत्व है। समय के हिसाब से हर जगह का अलग अलग महत्व है। मकर संक्रान्ति पर मैंने हरिद्वार में गंगा जी में स्नान किया।

आरक्षण छीनना चाहते हैं मोहन भागवत : तेजस्वी

» राजद का आरएसएस प्रमुख पर का हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जहानाबाद। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मोहन भागवत का बयान महात्मा गांधी बाबू, वीर कुंवर सिंह, सरदार भगत सिंह समेत तमाम स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान है। मोहन भागवत एवं उनके टीम पहले तिरंगा भी नहीं फहराते थे। यह लोग आरक्षण विरोधी लोग हैं। इन लोगों से हम पूछना चाहते हैं कि दलित और पिछड़ों को आजादी कब मिलेगी।

तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि मोहन भागवत आरक्षण को छीनना चाहते हैं ।आने वाले दिनों में वे कहेंगे जब तक आरक्षण है तब तक देश आजाद नहीं हुआ है। देश की जनता ऐसे लोगों को पहचान रही है।तेजस्वी यादव ने बिहार में खेल होने के सवाल पर कहा कि अब इस चीज पर विराम लग गई है। अब खेल जनता के हाथ में है आने वाले चुनाव में जनता फैसला करेगी की कौन बिहार में राज करेगा? उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर चुटकी लेते हुए कहा कि वह थक चुके हैं। बिहार उनसे नहीं चल रहा है। उनके इर्द-गिर्द रहने वाले रिटायर पदाधिकारी एवं कुछ लोग बिहार को चला रहे हैं। बिहार में भ्रष्टाचार का बोलबाला है।

बिहार की जनता खोज रही है बदलाव

तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि हमारी सरकार बनी तो हमलोग माई-बहन मान योजना, हर घर 200 यूनिट बिजली फ्री, वृद्धा पेंशन एवं विधवा पेंशन 1500 करने का योजना लाएंगे। पहले हम प्रत्येक जिलों में जाकर कार्यकर्ताओं के साथ मुलाकात कर उन्हें मजबूत करने का काम कर रहे हैं। तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि आने वाले दिनों में पूर्ण बहुमत के साथ महागठबंधन की सरकार बनेगी। बिहार की जनता बदलाव खोज रही है और यह बदलाव 2025 में होकर रहेगी। मौके पर स्थानीय राजद सांसद सुरेंद्र प्रसाद यादव ,राजद के मखदुमपुर विधायक सतीश दास, जहानाबाद विधायक सुदय यादव, जहानाबाद जिला राजद अध्यक्ष महेश ठाकुर, जहानाबाद जिला राजद प्रवक्ता शशि रंजन उर्फ पप्पू यादव, संजय यादव लालसे समेत भारी संख्या में नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बिहार में भ्रष्टाचार एवं अपराध की गंगोत्री, यमुनोत्री, यमुना सभी नदियों का मिश्रण होकर बह रही है। बिहार की जनता थके हारे मुख्यमंत्री से परेशान हैं।

राज्यपाल रवि तमिलनाडु की तरक्की को पचा नहीं पा रहे: स्टालिन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने कहा कि राज्यपाल आर एन रवि इस बात को पचा नहीं पा रहे हैं कि राज्य विकास कर रहा है और विधानसभा में अभिभाषण नहीं देने संबंधी उनका फैसला ''बचकाना'' था। उन्होंने कहा कि रवि के राज्यपाल बनने के बाद पिछले कुछ वर्षों से राज्य विधानसभा में अजीब दृश्य देखने को मिल रहे हैं। स्टालिन ने विधानसभा में कहा, ''राज्यपाल विधानसभा में आते हैं, लेकिन सदन में अभिभाषण दिए बिना लौट जाते हैं। इसीलिए मैंने कहा था कि उनकी हरकतें बचकानी हैं।'

उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 176 के अनुसार, राज्यपाल को सत्र की शुरुआत में विधानसभा में अपना अभिभाषण देना होता है। राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा को समाप्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''लेकिन ऐसा लगता है कि वह योजनाबद्ध तरीके से नियमों का उल्लंघन करने के इच्छुक हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि 2022 में राज्यपाल ने बिना किसी बदलाव के अपना अभिभाषण दिया, लेकिन उसके बाद के तीन वर्षों में वह ''बेतुके'' कारणों का हवाला देते हुए अपना अभिभाषण देने से बचते आ रहे हैं।

भाजपा की हरियाणा इकाई के प्रमुख बडोली पर लगे आरोप गंभीर: विज

» हरियाणा के कैबिनेट मंत्री ने पार्टी हाईकमान को कहा संज्ञान ले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने बुधवार को कहा कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बडोली के खिलाफ सामूहिक बलात्कार का आरोप 'बहुत गंभीर' है और पार्टी हाईकमान इस पर संज्ञान लेगा। बडोली और गायक रॉकी मित्तल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

एक महिला ने आरोप लगाया है कि हिमाचल प्रदेश के कसौली में एक होटल में उन्होंने उससे बलात्कार किया। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने दोनों लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। बडोली पर लगे गंभीर आरोपों के संबंध में अंबाला में एक सवाल का जवाब देते हुए भाजपा के नेता विज ने कहा कि आरोप बहुत गंभीर हैं और मुझे यकीन है कि हमारा हाईकमान इसका संज्ञान लेगा।पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता के अनुसार, बडोली और मित्तल ने इस कृत्य का वीडियो बना लिया और पीड़िता को धमकी दी कि अगर उसने घटना के बारे में किसी को बताया तो वे उसे जान से मार देंगे। प्राथमिकी 13 दिसंबर, 2024 को सोलन जिले के कसौली में दर्ज की गई थी।

कांग्रेस ने पीएम मोदी से मांगा जवाब

कांग्रेस ने इस मुद्दे पर भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जवाब देना चाहिए कि आरोपी के खिलाफ इतने गंभीर आरोप होने के बावजूद उन्हें अब तक पद से क्यों नहीं हटाया गया।

केवल दो से अधिक बच्चे वाले ही लड़ सकेंगे स्थानीय निकाय चुनाव : चंद्रबाबू नायडू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुपति। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा है कि, कोई व्यक्ति सरपंच, नगर पार्षद या महापौर तभी बन सकता है, जब उसके दो से अधिक बच्चे हों। इस दौरान उन्होंने संकेत दिया कि इससे जनसंख्या में गिरावट को रोका जा सकेगा।

सीएम ने आगे कहा कि, वे लोगों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए नीतियां लाएंगे। इससे पहले सीएम नायडू ने कहा था कि, राज्य में विकास दर बढ़नी चाहिए। सभी को इस बारे में सोचना चाहिए और परिवारों को कम से कम दो या उससे अधिक बच्चे पैदा करने का लक्ष्य रखना चाहिए। दरअसल केंद्र की यूथ इन इंडिया-2022 रिपोर्ट के अनुसार हमारे देश में 25 करोड़ युवा 15 से 25 साल के बीच के हैं। अगले 15 साल में यह और तेजी से गिरेगी।

मिल्कीपुर उपचुनाव : जाति पर ही चलेगा दांव

धार्मिक एजेंडे के बजाय जाति पर दिखेगा चुनाव

- भाजपा पर भारी दिख रही है सपा
- बसपा व कांग्रेस चुनावी लड़ाई से बाहर
- बीजेपी ने साधे दलित समीकरण
- भाजपा की सपा को घेरने की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। धर्म की सियासत से अपनी साख व जातिगत जनगणना पर अपने विपक्षियों को घेरने वाली भाजपा यूपी के उपचुनाव में अयोध्या जिले के महत्वपूर्ण मिल्कीपुर विधान सभा सीट पर जातिगत आंकड़े के सहारे लड़ाई लड़ने की तैयारी में है। उसने वहां पर दलित समीकरण को देखते हुए पासी समाज के चंद्रभानु पासवान को टिकट दिया है।

उनके खिलाफ सपा ने अजित प्रसाद उनको चुनौती देंगे। सियासी हलके में ये चर्चा है कि सपा व भाजपा में कड़ी टक्कर होगी। बसपा व कांग्रेस ने कोई उम्मीदवार नहीं उतारा है। जबकि कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने सपा के साथ देने की बात कही है। हालांकि अभी बसपा ने कोई खुलासा नहीं किया है। गौरतलब हो लोकसभा चुनाव में अयोध्या सीट हारने के बाद से ही भाजपा सपा सांसद चुने गए अवेधश प्रसाद की सीट पर कब्जा करने के लिए पासी समाज के ही एक ऐसे चेहरे की तलाश में थी, जो मजबूत टक्कर दे सके।

भाजपा ने पासी समाज के चंद्रभानु पासवान को मैदान में उतारकर सपा को घेरने की कोशिश की है। जातीय समीकरण साधने के साथ ही भाजपा ने चंद्रभान के जरिए सपा सांसद अवधेश प्रसाद के उस नारे का जवाब देने की कोशिश की है, जो सपा उम्मीदवार के तौर पर अवधेश प्रसाद ने अयोध्या सीट पर लोकसभा चुनाव के दौरान दिया था।

दलित युवाओं को साधने की कोशिश

यह भी माना जा रहा है कि पुराने नेताओं के बजाए भाजपा ने एक युवा को मैदान में उतारकर दलित समाज के युवा वर्ग को साधने की भी कोशिश की है। चूंकि लोकसभा चुनाव से ही भाजपा सपा सांसद अवधेश प्रसाद की उम्र को लेकर सियासी तीर चलाती रही है। इसलिए भाजपा ने अपने उम्रदराज नेताओं की दावेदारी को किनारे करके चंद्रभानु को तरजीह दी है। कहा जा रहा है कि चंद्रभानु का युवा वर्ग पर अच्छा प्रभाव है और लगातार वह दो साल से युवाओं के बीच काम भी कर रहे हैं। इसलिए उपचुनाव में दलित युवाओं को साधने में मदद मिलेगी।

3.5 लाख मतदाता करेंगे फैसला

मिल्कीपुर सीट का फैसला लगभग 3.5लाख मतदाता करेंगे। जिसमें 55 हजार पासी, 1.2 लाख अन्य दलित (कोरी आदि), 55 हजार यादव, 60 हजार ब्राम्हण, 30 हजार मुस्लिम, 25 हजार क्षत्रिय, 50 हजार अन्य पिछड़ी जाति से हैं।

उन्होंने प्रचार के दौरान अयोध्या न काशी, अबकी बार चलेगा पासी % का नारा दिया था। माना जा रहा है कि भाजपा ने अवधेश के इसी नारे के जवाब में अबकी बार पासी की काट के लिए पासी पर ही दांव लगाकर सपा को घेरने की कोशिश की है।

लोस चुनाव में अयोध्या में बीजेपी को सपा से मिली थी हार

दरअसल लोकसभा चुनाव में अयोध्या सीट हारने के बाद से ही भाजपा सपा सांसद चुने गए अवेधश प्रसाद की सीट पर कब्जा करने के लिए पासी समाज के ही एक ऐसे चेहरे की तलाश में थी, जो मजबूत टक्कर दे सके। इसके लिए पार्टी की ओर से कराए गए सर्वे में चंद्रभानु का नाम मजबूती सामने आया था। इसलिए भाजपा ने विपक्ष के पासी उम्मीदवार के सामने पासी समाज के चंद्रभानु को टिकट देने का फैसला किया है। माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव परिणाम को देखते हुए भाजपा भी यह समझ चुकी थी कि इस बार उपचुनाव में अयोध्या, काशी व मथुरा जैसे धार्मिक एजेंडा के बजाए सपा के नारे को ही हथियार बनाकर मुकाबला में उतरना फायदेमंद होगा। इसलिए लिहाज से ही भाजपा ने भी पासी की काट के लिए पासी समाज से ही उम्मीदवार देने का फैसला लिया है।

मिल्कीपुर सीट पर दलित मतादाता ही निर्णायक भूमिका में

मिल्कीपुर सीट पर दलित मतादाता ही निर्णायक भूमिका निभाते रहे हैं। उसमें भी पासी समाज की संख्या सबसे अधिक है। यही वजह है कि पिछले कई चुनावों से सपा ने पासी समाज के ही पुराने और वरिष्ठ अवधेश प्रसाद पर दांव लगाकर सफल होती रही है। चुनावी इतिहास के आंकड़ों पर नजर डालें तो 1991 से अब तक के सभी चुनावों में इसी सीट पर भाजपा को सिर्फ दो ही बार जीत मिली है। यानि सियासी तौर पर इस सीट को सपा ही गढ़ माना जाता है। सूत्रों की माने तो भाजपा ने इस बार रणनीति बदलते हुए एक ऐसे प्रत्याशी की तलाश में जुटा था, जिसकी छवि निर्विवाद हो और बुजुर्ग सपा नेता अवधेश प्रसाद के मुकाबले दलित समाज के युवा वर्ग में अच्छा प्रभाव छोड़ सके।

भाजपा के लिए चुनौती भी कम नहीं

अयोध्या के चौतरफा विकास के बाद भी लोकसभा सीट हारने से भाजपा के लिए अहम बनी इस सीट को जीतने में भाजपा को कई चुनौतियों का भी सामना करना पड़ेगा। माना जा रहा है कि इस चुनाव में भी भाजपा को जहां संविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने जैसे विपक्षी तुक्का पर स्थिति साफ करनी होगी। वहीं, टिकट न मिलने से नाराज अपने ही लोगों के भितरघात से निजात पाना बड़ी चुनौती होगी। हालांकि प्रमुख दावेदारों में शामिल रहे पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा ने पार्टी के फैसले का समर्थन तो किया है, लेकिन यह भी कहा है कि प्रभु श्रीराम भी राजगद्दी गंवाने के बाद जब वन की तरफ जा रहे थे, तब मुस्करा रहे थे। हम भी उन्हीं की दिखाई राह पर चलेंगे। उनके इस बयान के भी निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। सूत्रों की माने तो टिकट जारी होने के एक दिन पहले तक चुनाव लड़ने के लिए सरकारी सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने का आवेदन करने वाले सुरेंद्र रावत की दावेदारी सबसे ऊपर थी, लेकिन उच्च स्तर से आए एक फोन से सुरेंद्र की सारी कवायद पर पानी फेर दिया। सुरेंद्र को टिकट दिलाने के लिए कई दिग्गज नेता जुटे थे। हालांकि माना जा रहा है कि टिकट से वंचित सुरेंद्र को पार्टी में कोई महत्वपूर्ण पद देकर समायोजित किया जाएगा।

पंजाब में फिर गरमाई पंथक राजनीति

- शिअद बादल को चुनौती देगा अकाली दल वारिस पंजाब द
- गांवों के अंदर बनेगी टकराव की स्थिति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमृतसर । अभी हाल में शिरोमणि अकाली दल -शिअद ने सुखबीर सिंह बादल का इस्तीफा स्वीकार कर लिया था। कभी भाजपा के साथ प्रकाश सिंह बादल ने मिलकर सरकार चलाई पर उनकी मृत्यु के बाद अकाली दल कमजोर पड़ गई। बाद में राज्य में उनकी जगह कांग्रेस ने ले ली पर 2022 में आप ने कांग्रेस को मात देकर वहां पर सरकार बना ली।

शिअद का मजबूती देने के इरादे से सुखबीर ने खुद इस्तीफा दिया और कमेटियों को जिम्मेदारी दे दी है। अब पंजाब में एक और नई पार्टी बनने जा रही है। माघी मेले में गर्म विचारधारा के समर्थकों ने नई पार्टी अकाली दल वारिस पंजाब दे बनाने का एलान कर दिया। ऐसे में आने वाले दिनों में अकाल दल वारिस पंजाब दे के अकाली दल बादल के लिए नई पंथक चुनौती के रूप में उभरने की संभावना है। हालांकि पहले भी कई ग्रुप अकाली दल बादल के टूट कर नए नए अकाली दल बनते रहे हैं, लेकिन अकाली दल बादल का आधार कम नहीं हुआ।

चुनाव आयोग ने नहीं स्वीकारा था अकाली दल आनंदपुर साहिब नाम

अमृतपाल के समर्थक चाहते थे कि चुनाव आयोग उनकी पार्टी को अकाली दल आनंदपुर साहिब का नाम स्वीकार करके अलॉट करे, लेकिन विवादास्पद व अलगाववाद की परिभाषा देने वाले आनंदपुर साहिब प्रस्ताव के नाम पर चुनाव आयोग ने मुहर नहीं लगाई। इसके बाद अमृतपाल के समर्थकों को अकाली दल वारिस पंजाब दे नाम दे दिया। अब अकाली दल अमृतसर से अलग होकर बने शिरोमणि अकाली दल फतेह के नेता जसकरण सिंह काहन सिंह वाला ने भी अकाली दल वारिस पंजाब को अपना समर्थन दे दिया है।

सुखबीर सिंह बादल को लगेगा झटका

अकाली दल वारिस पंजाब दे बनने के समय पंथक राजनीति के हालात पहले से अलग हैं। हाल ही में अकाली दल बादल के नेतृत्व को धार्मिक व पंथक गलतियां करने के आरोपों तहत श्री अकाल तख्त साहिब की ओर से धार्मिक सजा सुनाई गई है। इसके चलते सिख पंथ में बादल दल के खिलाफ भारी रोष है। वहीं

बादल दल की ओर से गलतियां करके गलतियां कबूलने के बावजूद गलतियां करने का सिलसिला लगातार जारी है। अकाल तख्त साहिब की ओर से जारी आदेशों को अब भी बादल दल पूरी तरह लागू नहीं कर रहा है। जत्थेदार अकाल तख्त ज्ञानी रघबीर सिंह कई बार खुल कर एतराज भी जता चुके हैं। इस सभी के चलते सिख संगत में भी बादल दल के खिलाफ रोष की भावना है।

राज्य कई जत्थेबंदियां बनेंगी हिस्सा

संभावना है कि आने वाले कुछ दिनों में विभिन्न पंथक जत्थेबंदियां अकाली दल वारिस पंजाब दे का हिस्सा बनेंगी। पार्टी ने अपनी गांव स्तर पर मेंबरशिप मुहिम की शुरुआत का एलान कर बैसाखी पर पार्टी की नई वर्किंग कमेटी की घोषणा का भी एलान किया है। इससे साबित होते हैं कि अपने वाले दिनों में यहां अकाली दल वारिस पंजाब दे अकाली दल बादल के लिए चुनौती बनेगा। वहीं, दोनों पार्टियों के समर्थकों में गांवों के अंदर टकराव वाली स्थिति भी बनेगी, क्योंकि नए बने अकाली दल ने आने वाले एसजीपीसी चुनावों में हिस्सा लेने की भी तैयारियां शुरू कर दी है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

नई पीढ़ी को तबाह होने से बचाना होगा!

विज्ञान मानव की बेहतरी के लिए बना है। इसी तरह तकनीकि भी मानवीय जरूरतों की पूर्ति का साधन होता है। पिछले एकदशक से पूरी दुनिया डिजिटली एडवांस होती जा रही है। आज कल संचार माध्यम सबकी पहुंच में है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म का चलन बढ़ा है। दुनिया एक गांव बन गई है। पर जहां ये सुविधाएं आई हैं वहीं इसके दुष्प्रभाव भी सामने आने लगे हैं। दुनिया के कई देशों में मोबाइल व लैपटॉप को लेकर बहस हो रही है। सबसे ज्यादा बच्चों द्वारा उनके ज्यादा से ज्यादा प्रयोग पर चर्चा हो रही है। कई देश इनको देखने के लिए समय सीमा निर्धारण की बात भी कर रह हैं। ज्यादा देर तक मोबाईन के ये प्रभाव इतने हानिकारक हैं मानव का जीवन तक लील ले रहें है। अब सामाजिक संस्थाओं को समाज में फैलते इस जहर को रोकने के लिए कुछ सार्थक पहल करना पड़ेगा नहीं तो आने वाली पीढ़ी तबाह हो जाएगी। देखा जाए तो सोशल मीडिया पर पिछले साल सवा साल से चल रहे ट्रेंड से आपसी संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा हैं वहीं सोशल मीडिया से जुड़े लोगों में नकारात्मकता और डिप्रेशन का प्रमुख कारण बनता जा रहा है।

आपसी संबंधों में दरार का नया कारण सोशल मीडिया का नया चलन बनता जा रहा है। सोशल मीडिया पर कुछ समय से फ्लैगिंग का नया ट्रैंड आया है। पहली बात तो यह कि लोगों का सोशल मीडिया पर रुझान तेजी से बढ़ा है और इसी क्रम में सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया का दौर भी तेजी से चल ड़ है। मजे की बात यह कि सोशल मीडिया पर रिएक्शन नहीं आना भी डिप्रेशन का कारण बन रहा है तो सोशल मीडिया पर किसी भी तरह का रिएक्शन भी तनाव का कारण बनती जा रही है। इन दिनों फ्लैगिंग का नया दौर चल पड़ा है पर इसमें भी अधिक तो यह कि बेज फ्लैगिंग का नया ट्रेंड साथी को अधिक प्रताड़ित करने लगा है। प्रताड़ना का मतलब तनाव का प्रमुख कारण होने से हैं। बेज फ्लैग का सीधा सीधा मतलब यह निकाला जा रहा है कि इस तरह का व्यवहार जो ना तो अच्छा है और ना ही बुरा, लेकिन इस तरह की प्रतिक्रिया संबंधित को सोचने को मजबूर कर देती है। खासतौर से इसका चलन आपसी रिश्तों को लेकर किया जा रहा हैं और इससे संबंधित में एक तरह की हीन भावना आती है और उसका दुष्परिणाम हम सब जानते ही हैं। इस भाग-दौड़, ईर्ष्या व प्रतिस्पर्धा की जिंदगी में लोगों को निराशा व तनाव से बाहर लाया जा सके। ऐसे में सोशल मीडिया में नित नए प्रयोग करते समय कुछ अधिक ही गंभीर होना होगा। खासतौर से समाज विज्ञानियों और मनोविश्लेषकों को गंभीरता से ध्यान देना ही होगा।

दुनिया के कई देशों में मोबाइल व लैपटॉप को लेकर बहस हो रही है। सबसे ज्यादा बच्चों द्वारा उनके ज्यादा से ज्यादा प्रयोग पर चर्चा हो रही है। कई देश इनको देखने के लिए समय सीमा निर्धारण की बात भी कर रह हैं। ज्यादा देर तक मोबाईन के ये प्रभाव इतने हानिकारक हैं मानव का जीवन तक लील ले रहें है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बड़े लक्ष्यों के लिए सुधारों की पहल

डॉ. लक्ष्मी शंकर यादव

पंद्रह जनवरी, 1949 को सेना प्रमुख के तौर पर एक भारतीय नागरिक लेफ्टिनेंट जनरल के.एम. करियप्पा को तत्कालीन ब्रिटिश कमांडर-इन-चीफ जनरल सर फ्रांसिस बूचर से सेना की आधिकारिक कमान सौंप दी गई थी। इसके अगले वर्ष 1950 से 15 जनवरी को देश में सेना दिवस मनाए जाने की परंपरा की शुरुआत हुई। भारतीय सेना ने देश को अखंड भारत बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। तबसे भारतीय सेना की ताकत में भी लगातार वृद्धि की जा रही है। चीन से चल रहे तनाव को देखते हुए अब चीन सीमा के निकट भारतीय सेना पूरे वर्ष जवाब देने के लिए तैयार रहती है। भारत-चीन सीमा विवाद के चलते सेना की ताकत में इजाफा करना जरूरी है। इसीलिए सेना ने पर्यावरण मंत्रालय से गोला-बारूद और सैन्य उपकरणों के भंडारण की अनुमति मांगी थी। इसके लिए अभी हाल ही में पर्यावरण मंत्री की अध्यक्षता में एक बैठक हुई थी, जिसमें राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड ने सेना के प्रस्ताव पर विचार करते हुए 'हानले' और 'फोटी ला' के पास गोला-बारूद भंडारण सुविधा की स्थापना किए जाने की अनुमति प्रदान कर दी। इसके अलावा सैन्य उपकरणों के भंडारण के लिए भूमिगत गुफाएं बनाने की स्वीकृति दे दी।

यही नहीं, लुकुंग में मजबूत सैन्य उपस्थिति किए जाने का प्रस्ताव पेश किया गया। यह बुनियादी ढांचा चांगथांग उच्च ऊंचाई वाले शीत मरुस्थल के वन्यजीव अभयारण्य और कराकोरम नुब्रा श्योक वन्यजीव अभयारण्य में विकसित किया जाएगा। इस निर्माण का उद्देश्य गोला-बारूद की आपूर्ति में तेजी लाना है, जिससे युद्ध की स्थिति में संचालनगत तैयारी को बिना विलंब के सुनिश्चित किया जा सके। रक्षा अवसंरचना के लिए निर्धारित स्थान संरक्षित क्षेत्रों की श्रेणी में आते हैं। इस कारण वे वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 29 के अधीन हो जाते हैं। इसीलिए रक्षा मंत्रालय को यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि इस क्षेत्र को कोई नुकसान न पहुंचे।

यह ऐसा क्षेत्र है जहां सेना की कुछ इकाइयां तैनात हैं। फोटी ला, कोयुल, पुंगुक और हानले आदि अग्रिम क्षेत्रों में सैन्य तैनाती है। फोटी ला अधिक ऊंचाई वाले पर्वतीय दर्रों में से एक है। यह हानले से तकरीबन 30 किलोमीटर दूरी पर है और डेमचोक का मार्ग भी है। अभी फोटी ला से 300 किलोमीटर और हानले से 250 किलोमीटर दूरी पर

अस्थायी रूप से गोला-बारूद एकत्र किया जाता है। इसलिए आपूर्ति में देरी होती है और संचालनात्मक प्रक्रिया में विलंब होता है। भारतीय सेना को अब अत्याधुनिक बनाने के लिए चालू वर्ष 2025 में लागू किए जाने वाले सुधारों का खाका तैयार कर लिया गया है। अब भारतीय सेना कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग के माध्यम से स्वदेशी सामानों का उपयोग तथा रक्षा कूटनीति को बढ़ावा देने पर ध्यान देगी। इसके लिए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सेना के लिए वर्ष 2025 को 'सुधारों का वर्ष' घोषित किया है। यह कार्य सेना के लिए अधिक चुस्त, तकनीकी रूप से उन्नत और युद्ध के लिए तैयार रहने के हेतु एक नए बदलाव का संकेत है। नए सुधारों के लिए सेना का व्यापक दृष्टिकोण पांच प्रमुख स्तंभों पर आधारित होगा। ये स्तंभ संयुक्तता व एकीकरण, सुरक्षा बलों का पुनर्गठन, सैन्य आधुनिकीकरण व प्रौद्योगिकी, संचार प्रणाली व प्रक्रियाएं तथा मानव संसाधन प्रबंधन हैं। विदित हो कि सेना ने इससे पहले वर्ष 2023 को 'परिवर्तन का वर्ष' एवं वर्ष 2024-25 को 'प्रौद्योगिकी अपनाने का वर्ष' घोषित किया था। भारतीय सेना की असॉल्ट राइफल की कमी दूर करने के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने स्वदेशी असॉल्ट राइफल 'उग्रम' को तैयार कर दिया है। इसे मात्र 100 दिनों में ही डीआरडीओ ने तैयार किया है। यह शत्रु को 500 मीटर की दूरी से मार गिराएगी। इसका वजन चार किलोग्राम है। इसमें 20 राउंड गोलियों की मैगजीन को लोड किया जा सकता है। यह सिंगल और फुल ऑटो मोड में फायर कर सकती है।

तभी दिसंबर, 2023 में रक्षा अधिग्रहण परिषद ने इसी कैलिबर की यूएस निर्मित 70,000 असॉल्ट राइफलों की खरीद को मंजूरी प्रदान की है। इस राइफल को सेना, अर्धसैनिक बलों और राज्यों की पुलिस इकाइयों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। भारतीय सेना की तोपखाना रेजीमेंट में महिला अधिकारियों को शामिल किए जाने का निर्णय लिया जा चुका है। इस रेजीमेंट में विभिन्न कैलिबर की बंदूकें, सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें, मोर्टार और मानव रहित हवाई प्लेटफॉर्म शामिल हैं। विदित हो कि सेना की रेजीमेंट और कोर को आर्म्स और सर्विसेज में बांटा गया है। आर्म्स में इन्फैन्ट्री, आर्मर्ड कोर, तोपखाना, इंजीनियर्स, आर्मी एयर डिफेंस, आर्मी एविएशन कॉर्प्स, और मिलिटरी इंटेलिजेंस शामिल हैं।

कृषि संकट के दूरगामी समाधान की जरूरत

प्रेम सिंह

यह अच्छी बात है कि संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने खनौरी बॉर्डर और शंभू बॉर्डर पर संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे किसानों के प्रतिरोध आंदोलन के प्रति सहयोगी रुख का संकेत दिया है। आशा की जानी चाहिए कि पिछले अनुभवों से सबक लेकर और मतभेदों को भुलाकर देश के सभी किसान संगठन खेती-किसानी की समस्याओं को सुलझाने की दिशा में एकजुट होंगे। जिस तरह किसानों की प्रमुख मांगों पर सहमति है, उसी तरह केंद्र और राज्य सरकारों से उन मांगों को मनवाने की रणनीति पर भी किसान नेतृत्व में सहमति होना जरूरी है। किसान आंदोलन की ऊर्जा का कॉर्पोरेट राजनीति के खिलाड़ी अपने पक्ष में इस्तेमाल न कर सकें, इसकी समझदारी भी किसान नेतृत्व में बननी चाहिए। यानी किसान नेतृत्व को संकट के तात्कालिक समाधान के साथ दूरगामी समाधान के प्रति भी प्रतिबद्ध रहना चाहिए।

लेकिन फिलहाल दोनों संयुक्त किसान मोर्चों के नेताओं के सामने सबसे बड़ा काम वरिष्ठ किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल, जो खनौरी बॉर्डर पर पिछले 50 दिनों से आमरण अनशन पर हैं, की जान बचाना है। आंदोलन के साथ आए किसान नेताओं को डल्लेवाल के आमरण अनशन को 'मरण-व्रत' नहीं बनने देना चाहिए। देश में पिछले साढ़े तीन दशकों से जारी अंधाधुंध उदारीकरण/निजीकरण की प्रक्रिया में किसानों की कुर्बानियां कम नहीं हुई हैं। लाखों किसान और खेतिहर मजदूर आत्महत्या कर चुके हैं। यह सिलसिला रुक-रुक कर अभी भी जारी है। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर ही धरने में शामिल तीन किसान आत्महत्या कर चुके हैं। किसान नेताओं के मुताबिक तीन कृषि-कानूनों के खिलाफ चले साल भर लंबे किसान आंदोलन में 700 किसान शहीद हुए थे।

अपनी ही सरकारों के खिलाफ छिड़ी जल-जंगल-जमीन की लड़ाई में बहुत से किसान सुरक्षा बलों का निशाना बन चुके हैं। 2020-21 के किसान प्रतिरोध के ट्रिगर पॉइंट मंदसौर गोलीकांड में 6 किसान पुलिस की गोली से मारे गए थे। अगर जान देने से जमीनों के अधिग्रहण और फसलों के कम दाम मिलने की समस्या का समाधान होना होता तो कब का हो चुका होता। अभी तक का अनुभव यही बताता है कि किसानों की जान की कुर्बानियों का असर शासक-वर्ग पर नहीं पड़ता है। लिहाजा, सबसे पहले जगजीत सिंह डल्लेवाल के मरण-व्रत को तुड़वा कर उनकी जान बचाई जानी चाहिए। जान बचाने का मतलब आंदोलन समाप्त करना नहीं है। संघर्ष जारी रहे, इसका नया रास्ता खोजा जा सकता है। एक रास्ता समूह सत्याग्रह-उपवास करने का हो सकता है। एक निश्चित संख्या में किसानों का समूह सत्याग्रह-उपवास करे। निर्धारित दिनों के बाद दूसरा समूह सत्याग्रह-उपवास पर बैठे। यह सिलसिला चलता रहे जब तक सरकार के साथ मांगों पर संतोषजनक सहमति न बने। देश के दूसरे भागों के किसान अपनी-अपनी जगह सत्याग्रह-उपवास में शामिल हो सकते हैं। देश की खेती-किसानी का संकट खेतिहर मजदूरों से लेकर संगठित-असंगठित क्षेत्र के मजदूरों और खुदरा क्षेत्र की ब्रांड-खिलाड़ी राष्ट्रीय व बहुराष्ट्रीय कंपनियों की सेवा में जुटे रहने वाले मजदूरों के जीवन को सीधे प्रभावित करता है। संगठित-असंगठित क्षेत्र की मजदूर यूनियनें सत्याग्रह-उपवास में शामिल हो सकती हैं।

प्रतिरोध की नई रणनीति के साथ कृषि-क्षेत्र पर आयद संकट के तात्कालिक और दूरगामी समाधान के बारे में भी किसानों को सोचना होगा। फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी, कर्ज-माफी आदि तात्कालिक उपाय जरूर होने चाहिए, लेकिन वे संकट का समाधान नहीं हैं। अभी तक का अनुभव है कि किसान आंदोलन नवउदारवादी शक्तियों के पक्ष में इस्तेमाल हुआ है। किशन पटनायक का कहना है किसान आंदोलन को अपनी राजनीति भी गढ़नी चाहिए। किशन पटनायक का आशय नवउदारवाद विरोध की राजनीति गढ़ने से है। चाहे अस्सी और नब्बे के दशकों का किसान आंदोलन रहा हो, या इक्कीसवीं सदी का किसान आंदोलन, अभी तक यही देखने में आया है कि किसान नेतृत्व केवल नवउदारवाद के विरोध तक जाता है। नवउदारवाद के विरोध की राजनीति गढ़ने में किसान नेतृत्व की रुचि प्रायः नहीं रही है। राजनीति के लिए वह मुख्यधारा राजनीति पर ही निर्भर रहता है। साथ ही वह धर्म, जाति, क्षेत्र और पितृसत्ता के कटघरों में कैद नजर आता है। फिर भी, नई राजनीति के निर्माण की संभावनाओं का सबसे बड़ा क्षेत्र भारत का किसान जीवन ही हो सकता है।

किसान नेतृत्व को यह हकीकत समझनी होगी कि देश में नवउदारवादी सर्वसम्मति (निओलिबरल कंसेंसस) की स्थिति में कृषि जैसा विशाल क्षेत्र नवउदारवादी तंत्र से स्वायत्त बना नहीं रह सकता। देर-सवेर नवउदारवादी व्यवस्था के साथ उसका इंटिग्रेशन होना ही है। इंटिग्रेशन की प्रक्रिया को गति देने के लिए मोदी सरकार ने तीन कृषि-कानून संसद में पारित किए थे। किसानों के लंबे प्रतिरोध के चलते सरकार ने कानून वापस तो ले लिए थे, लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट कर दिया था कि उन कानूनों को जल्दी ही फिर से लाया जाएगा। ऐसा होगा भी। तीनों कृषि-कानून, भले ही कुछ बदले हुए रूप में, देर-सवेर फिर से आएंगे। भारत का शासक-वर्ग कृषि-संकट का समाधान कृषि के निगमीकरण में देखता है। हालांकि, यूरोप-अमेरिका का अनुभव बताता है कि निगमीकृत खेती भी संकटग्रस्त है। भारी सब्सिडी के बावजूद वहां किसानों को बार-बार सड़कों पर आना पड़ता है।

आलू से घर पर बनाएं ये पकवान

जिस तरह से आम फलों का राजा होता है, ठीक उसी तरह से आलू को सब्जियों का राजा कहा जाता है। आलू में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर के लिए बेहद लाभदायक हैं। इसमें मुख्य रूप से पोटैशियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस और विटामिन्स पाए जाते हैं। आलू एक ऐसी सब्जी है, जिसे आप किसी भी सब्जी के साथ मिलाकर बना सकते हैं। इसके साथ ही आप आलू से कई प्रकार के स्वादिष्ट स्नैक्स बना सकते हैं। आलू से बने स्नैक्स बड़ों से लेकर बच्चों तक को काफी पसंद आते हैं। खासतौर पर जब मौसम सर्दी का होता है, तो आलू से बने स्नैक्स एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आ सकते हैं। आलू से बने स्नैक्स के कुछ ऐसे विकल्प हैं, जिसे आप आसानी से अपने घर पर बना सकते हैं।

सर्दी के मौसम में बच्चों को भी आएंगे पसंद

आलू की टिक्की

सर्दी का मौसम हो, और कहीं स्वादिष्ट सी आलू टिक्की मिल जाए तो इससे बेहतर तो कुछ हो ही नहीं सकता। नाम लेते ही मुंह में पानी आ जाता है। मार्केट की ठेले वाली टिक्की का स्वाद इतना ज्यादा टेस्टी होता है की मन नहीं भरता। लेकिन जब हम वही टिक्की घर में बनाते हैं तो स्वाद के साथ-साथ दिखने में भी अलग होती है। ऐसे में आप अपने परिवार के लिए स्वादिष्ट और कुरकुरी आलू की टिक्की बनाकर उन्हें परोस सकते हैं।

कटलेट

वेज कटलेट स्नैक्स के तौर पर काफी पसंद किया जाता है। खाना खाने के बाद कई बार ऐसा होता है जब कुछ ही घंटों बाद हमें भूख सी महसूस होने लगती है। ऐसे में कुछ हल्का खाने का मन करता है। इसके लिए उस वक्त घर में जो भी कुछ मौजूद होता है हम उसे खा लेते हैं। लेकिन अक्सर एक जैसा स्नैक्स लेने से बोरियत होने लगती है। आपको भी अगर ऐसा लगता है तो इस बार स्नैक्स के तौर पर वेज कटलेट को ट्राई करें। यह बनाने में आसान और खाने में बेहद स्वादिष्ट लगते हैं। घर में इसे आसानी से बनाया जा सकता है। कुरकुरे कटलेट चाय के साथ खाने में काफी स्वादिष्ट लगते हैं। ऐसे में आप घर पर आसानी से इसे तैयार कर सकते हैं। इन्हें बनाना बेहद आसान है। इसे बनाते वक्त ध्यान रखें कि अगर आप अपने परिवार को गर्म कटलेट परोसेंगी तभी वो उन्हें पसंद आएंगे।

बरूले

सर्दियों के मौसम में गरमागरम चाट खाने का अलग ही मजा है। आपने आलू चाट का स्वाद तो जरूर लिया होगा लेकिन हम आपकी नॉर्मल आलू चाट को मजेदार ट्विस्ट देना चाहते हैं। तो अलीगढ़ में छोटे-छोटे आलूओं की चाट तैयार की जाती है जिसे बरूले कहते हैं। मशहूर बरूले का स्वाद एक बार जो चख लेता है यकीनन वह कभी भूल नहीं पाता। ये खाने में काफी स्वादिष्ट और तीखे होते हैं। ऐसे में अगर आपको तीखा खाना पसंद है, तो ये एक बेहतर विकल्प है।

चिली पोटेटो

खाने के शौकीन लोग अक्सर ही कुछ नया खाते और बनाते रहते हैं। आज कल चायनीज डिश काफी ट्रेंड में है। अपने परिवारवालों को आप इस मौसम में चिली पोटेटो बनाकर खिला सकती हैं। जिसे आप अपने घर में आसानी से चिली पोटैटो बना सकते हैं। इसे आप अपने फैमिली के स्वाद के हिसाब से तीखा या मीठा बना सकते हैं। इसे बनाना थोड़ा कठिन जरूर है, लेकिन हर कोई इसे बड़े ही चाव से खाएगा। इसे खाकर घर वाले भी आपके कुकिंग के हुनर की तारीफ करते नहीं थकेंगे।

हंसना मना है

फ्रेंड- यार तुम्हारी दुकान मिठाई की है, तो क्या तुम्हारा दिल नहीं करता मिठाई खाने को? संता- यार करता तो बहुत है, लेकिन पापा रसगुल्ले गिन के जाते है, तो.. इसलिए, चूसकर रख देता हूं।

मैं बचपन से इतना प्रतिभाशाली रहा हूं कि रिश्तेदार परीक्षा परिणाम के बाद सिर्फ इतना ही पूछते है, तू पास हुआ या नहीं?

जिन्दगी की बात करते हो, यहां तो मौत भी हम से खफा है, हम ताज क्यों बनाए, अपनी तो मुमताज ही बेवफा है।

अर्ज किया है, फिजा में महकती शाम हो तुम, प्यार का पहला जाम हो तुम, और क्या कहे जानम तुम्हारे बारे में, खर्चे का दूसरा नाम हो तुम..

पठान की बीवी ड्राइवर के साथ भाग गयी, सिंधी- अब क्या करोगे? पठान- करना क्या है अब गाड़ी खुद चलाऊंगा?

पत्नी ने पति को फोन किया। पति- जल्दी बोलो, मैं बहुत बिजी हूं। पत्नी- एक अच्छी और एक बुरी खबर है। पति- सिर्फ अच्छी खबर सुना दो, बुरी खबर सुनने का टाइम नहीं है। पत्नी- अच्छी खबर यह है कि हमारी नई गाड़ी के एयरबैग बिल्कुल सही से काम करते हैं।

कहानी | नटखट परी और जादुई गुफा

एक समय की बात है एक बहुत ही नटखट परी थी। वह पूरी दुनिया देखना चाहती थी। यह सोचकर वह अपने सभी लोगों से अलग हो गई। वह हर दिन बहुत दूर-दूर तक जाती और नए लोग व नई दुनिया देखती थी। एक दिन वह उड़ती हुई एक घर के पास पहुंची। वहां पर वह खिड़की के पास छिप गई। उसने देख उस घर में एक लड़का अपनी मां से जिद्द कर रहा था कि उसे परी देखना है। उसकी मां उसे समझा रही थी कि परियां सिर्फ आसमान में रहती हैं। जब आसामान पूरी तरह से साफ हो जाए, तब तुम उन्हें देख सकते हो। अभी रात हो गई है सो जाओ और सुबह जब आसामन साफ होगा तो परी को देख लेना। मां की बात सुनकर वह लड़का सोने लगता है, लेकिन इसे नींद नहीं आती है। तभी खिड़की पर उसे नटखट परी दिखाई देती है। वह उसे घर के अंदर लेकर आता है। उसने देखा वह नटखट परी बहुत ही छोटी है। दोनों साथ में खेलने लगते हैं। नटखट परी उसे अपना जादू दिखा रही थी और वह लड़का भी खुश होकर नाचता। तभी लड़के के कमरे इस तरह की शोर सुनकर वहां पर उसकी मां आने लगती है। लड़का नटखट परी से कहता है कि अब तुम्हें यहां से जाना होगा। मेरी मां आ रही हैं। लड़के की बात सुनकर नटखट परी वहां से उड़ जाती है और लड़का चुपचाप लेटकर सोने का नाटक करने लगता है। जब मां ने दरवाजा खोला तो देखा उसका बेटा तो सो रहा है। उसने सोचा उसे कोई भ्रम हुआ होगा और वह भी अपने कमरे में सोने चली गई।

कहानी से सीख - हर किसी में एक नटखट और शरारती पन छिपा होता है। फिर चाहे कोई बच्चा हो या कोई बड़ा आदमी।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

वृषभ व्यापारिक प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी। तनाव रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मिथुन प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा।

कर्क आज रोमांस में समय व्यतीत होगा। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ मनोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें।

सिंह व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी।

कन्या आपको आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बेचैनी रहेगी।

तुला प्रेमी साथी से मुलाकात होगी। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। आय में कमी हो सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है।

वृश्चिक व्यापार में पार्टनर का आर्थिक सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। विवाद न करें।

धनु परिवारसंग पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। सुख के साधनों पर व्यय हो सकता है।

मकर कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। राज्य के प्रतिनिधि सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

कुम्भ आज आपको प्रेम संबंधों में सफलता मिलेगी। व्यापार में जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मातहतों से संबंध सुधरेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मीन आज पुरानी प्रॉपर्टी बेचकर भूमि, भवन, दुकान या फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। नौकरी वर्ग को रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

शाहरुख ने ठुकराई आलिया संग हॉरर-कॉमेडी मूवी चामुंडा!

हॉरर कॉमेडी मूवीज इस समय दर्शकों का फेवरेट टॉपिक है। स्त्री, स्त्री 2 और मुंज्या जैसी फिल्मों के बाद तो ऐसे जॉनर का जबरदस्त क्रेज है। खबर थी कि शाहरुख खान भी इस सिनेमाई यूनिवर्स में शामिल होने वाले हैं। वो कथित तौर पर चामुंडा के लिए दिनेश विजन और डायरेक्टर अमर कौशिक के साथ बातचीत कर रहे थे। इसमें आलिया भट्ट भी हैं। पर अब शाहरुख ने इस प्रोजेक्ट को ठुकरा दिया है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, मैडॉक फिल्म्स की हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स में चामुंडा एक अहम प्रोजेक्ट है। मेकर्स इसमें Shah Rukh Khan को कास्ट करने के लिए इच्छुक थे, लेकिन ये इच्छा पूरी नहीं हो पाई है।

नए प्रोजेक्ट में काम करना चाहते हैं शाहरुख

रिपोर्ट्स बता रही हैं कि शाहरुख ने इसका हिस्सा बनने से इनकार कर दिया है। इसकी बजाय उन्होंने मैडॉक और अमर कौशिक के साथ एक नए प्रोजेक्ट पर काम करने में दिलचस्पी दिखाई।

रिपोर्ट्स बताती हैं कि शाहरुख ने मैडॉक और अमर कौशिक से एक नए कॉन्सेप्ट को एक अनएक्सप्लोर किए गए जॉनर में बनाने की गुजारिश की थी। नतीजतन, ये जोड़ी अब चामुंडा के लिए दूसरे एक्टर की तलाश करेगी। हालांकि, वे फ्यूचर में साथ में काम जरूर कर सकते हैं। ये भी खुलासा हुआ है कि चामुंडा कई प्रोजेक्ट्स में से एक थी, जिसे दिनेश विजन ने शाहरुख को दिया था, लेकिन उनकी प्लानिंग मेल नहीं खाती थीं।

शाहरुख और आलिया की अपकमिंग मूवीज

शाहरुख को सिद्धार्थ आनंद की किंग में देखा जाएगा। इसमें उनकी बेटी सुहाना खान और अभिषेक बच्चन भी हैं। इसके अलावा आदित्य चोपड़ा साल 2025 के आखिरी या 2026 की शुरुआत में पठान 2 की शूटिंग शुरू करने की प्लानिंग कर रहे हैं। आलिया की बात करें तो उनके पास शरवरी के साथ अल्फा है। इसके अलावा उनके पास संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर है, जिसमें वो रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ नजर आएंगी।

लॉस एंजेलिस का नजारा देख सहमीं रूपल त्यागी

रूपल त्यागी लॉस एंजेलिस की आग से बाल बाल बची हैं। एक्ट्रेस दो महीने के ब्रेक पर गई हुई थीं, वो वहां पढ़ाई भी कर रही थीं, लेकिन वापस लौटते हुए, वहां मचे हाहाकार को देख वो अपनी सारी अच्छी यादें भूल गईं।

रूपल ने बताया कि कैसे उन्होंने घर वापस आते समय आसमान में धुआं देखा, लेकिन जब तक वो उतर नहीं गईं, तब तक उन्हें इसकी ग्रैविटी का एहसास नहीं हुआ। रूपल ने बताया कि वो कुछ दिन पहले उन जगहों पर थीं और उनके लिए उस शहर को पूरी तरह से राख में बदलते देखना दिल दहला देने वाला था।

एक्ट्रेस ने कहा कि घर वापस जाने से पहले, वो उसी सड़क पर गाड़ी चलाकर हॉलीवुड साइन देखने गई थीं। आग की वजह से उस इलाके को भारी नुकसान हुआ। रूपल ने कहा कि अब उनकी यादों का एक अलग मतलब होगा। रूपल बोलीं- मैं लॉस एंजेलिस में बिताए अपने शानदार समय को याद करने के लिए कुछ सिंबल्स वापस लाई थी। लेकिन अब, जब भी मैं इसे देखती हूं, तो मुझे दर्द का एहसास होता है। सौभाग्य से मेरे सभी दोस्त सेफ एरिया में हैं, लेकिन फिर भी मुझे उनकी फिक्र होती है। जबकि मैं वक्त पर वहां से निकल जाने के लिए धन्य महसूस करती हूं। इस मुश्किल घड़ी में अपने दोस्तों के साथ न होने का मुझे दुख भी है। प्रकृति के प्रकोप को देखना इतना परेशान करने वाला है कि मैं पूरी तरह से हिल गई हूं।

रूपल ने आगे कहा कि ऐसी घटनाएं हमें ये भी याद दिलाती हैं कि हमारा जीवन कितना अनप्रेडिक्टेबल है। रूपल बोलीं- सोचिए कि एक खुशहाल शहर एक दिन में जलकर राख हो जाए, ये विश्वास करने लायक नहीं है। लाइफ सच में समझ से बहुत परे है, और मुझे लगता है कि ये हर एक दिन को पूरी तरह से जीने की सोच को और मजबूत करता है। हम कभी नहीं जानते कि अगले दिन क्या होने वाला है। मैं सच में उम्मीद करती हूं कि जो लोग पीड़ित हुए हैं, वो जल्द ही अपना जीवन फिर से संवारने में कामयाब होंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं चाहती हूं कि बिग बॉस 18 के विनर चुम या करण बनें : चाहत

बिग बॉस के फिनाले में अब कुछ ही दिन बचे हैं। फिनाले से पहले कंटेस्टेंट घर से बेघर हो रहे हैं। वीकेंड का वार में चाहत पांडे घर से बेघर हो गई हैं। चाहत के घर से बाहर आते ही बिग बॉस को अपने टॉप 7 कंटेस्टेंट मिल गए हैं। चाहत ने बिग बॉस के घर से बाहर आते ही कई खुलासे कर डाले हैं। साथ ही उन्होंने बता दिया है कि इस सीजन की ट्रॉफी कौन अपने घर लेकर जाने वाला है। चाहत ने बिग बॉस से बाहर आते ही जियो सिनेमा को इंटरव्यू दिया है। जिसमें उन्होंने अपनी 14 हफ्ते की जर्नी के बारे में बात की है। वो 15 हफ्ते के इस शो में 14 हफ्ते घर में रही हैं। ये भी उनके लिए किसी अचीवमेंट से कम नहीं है। चाहत ने कहा- अगर वो इस हफ्ते शो से नहीं जाती तो ईशा को शो से जाना चाहिए। अविनाश के बिना ईशा का कोई वजूद नहीं है। अविनाश ईशा के सारे काम करता है। उसके कपड़े प्रेस करने से लेकर प्लेट धोता है। ईशा ने अविनाश को अपना नौकर बनाया हुआ है। अविनाश है तो ईशा है। जब चाहत से पूछा गया कि इस सीजन का विनर कौन बनने वाला है। इस पर चाहत ने दो सदस्यों का नाम लिया है। चाहत ने कहा- जितने लोग बचे हैं उनमें से मैं चाहती हूं कि विनर चुम या करण बनें। रजत के बारे में बात करते हुए चाहत ने कहा- रजत ने मुझे बहुत रुलाया है। रजत के सामने इंग्लिश में कुछ बोल दो तो वो कहता है ये अरे ये क्या बोल दिया। ये क्या कह रहा है। मगर उसे सब पता है उसे इंग्लिश समझ आती है। वो बहुत सारी ऐसी चीजें बोलता है जिसे देखकर आपको समझ आ जाएगा कि वो बस एक्टिंग कर रहा है।

गोल ही क्यों होते हैं कुएं, चौकोर या तिकोने क्यों नहीं? वजह है अजीबी-गरीब

हमारे आसपास ऐसी बहुत सी चीजें हैं जो आपने देखी तो कई बार होगी, लेकिन उसके बारे में कभी कोई सोचता नहीं है। अगर सवाल आए भी, तो शायद ही कोई जानने की कोशिश करता है कि आखिर ऐसा क्यों है। हालांकि ऐसे तमाम सवाल और वजहें सीधे विज्ञान से जुड़ी हैं, जिन्हें हम परंपरा या फिर एक आदत मानकर छोड़ देते हैं।

आपने कुएं बहुत से देखे होंगे लेकिन इनमें जो एक बात हर जगह कॉमन रही, वो ये है कि कुएं ज्यादातर गोल ही होते हैं। क्या ये सिर्फ सुंदर दिखने के उद्देश्य से होता है या फिर इसके पीछे कोई वजह होती है। आज हम आपको इसी सवाल का जवाब देंगे, जो इंटरनेट पर लोग जानने की कोशिश करते हैं। आज भी बहुत से गांव कुएं पर निर्भर है लेकिन बहुत से गांवों में विकास हो चुका है और नल, बोरिंग, और ट्यूबलेव ने कुएं की जगह ले ली है। गोल कुएं को देखने के बाद भी क्या कभी आपने ये सोचा है कि कुएं को हमेशा गोल ही क्यों बनाया जाता है। आखिर कुआं चौकोर या त्रिकोण क्यों नहीं होता, ये बहुत ही दिलचस्प सवाल है और उतना ही दिलचस्प इसका जवाब भी है।

चाहें तो तिकोना, चौकोना या षटकोण कुआं बनाया जा सकता है, लेकिन ऐसे कुएं की उम्र ज्यादा नहीं होगी। उसके पीछे वजह ये है कि जितने ज्यादा कोने होंगे पानी का दबाव उनके कोनों पर उतना ही ज्यादा पड़ेगा। ऐसे में कुएं की दीवारों पर दबाव की वजह से दरारें पड़नी शुरू हो जाती हैं और वे समय से पहले ही धंसने लगते हैं।जबकि गोलाकार कुएं के साथ फायदा ये होता है कि हर तरफ दीवार बराबर होने की वजह से ऐसे कुओं में पानी का प्रेशर सब तरफ की दीवारों पर समान होता है। किसी पर फोर्स कम या ज्यादा नहीं होता और ये कुएं कई दशकों तक वैसे के वैसे बने रहते हैं। हालांकि आजकल कुओं की संख्या बेहद कम है, सिर्फ पुराने ही कुएं दिखाई देते हैं।

अजब-गजब | मेयर ने जारी किया ऐसा आदेश, उड़ गये लोगों के होश

इटली के बेलकास्त्रो शहर में बीमार पड़ना भी है बैन

किसी देश या शहर में कहीं आने-जाने पर पाबंदी हो सकती है। सुविधाओं के इस्तेमाल पर पाबंदी हो सकती है। बोलने और कुछ करने की आजादी पर पाबंदी हो सकती है। मगर क्या आप यकीन करेंगे कि कहीं बीमार होने पर भी पाबंदी हो सकती है? जी हां, भले ही यह आपको मजाक लगे, मगर हकीकत है। एक शहर में लोगों के बीमार पड़ने पर भी बैन है। अगर आपको उस शहर में रहना है तो आपको खुद को बीमार होने से बचाना ही होगा। दरअसल, इटली के एक छोटे से शहर बेलकास्त्रो में यह आदेश जारी किया गया है। बेलकास्त्रो के मेयर ने यह अजीबोगरीब ऐलान कर खलबली मचा दी है। मेयर के आदेश के मुताबिक, यहां बीमार पड़ना सख्त मना है।

यह घटना साउथ इटली के कैलाब्रिया क्षेत्र के बेलकास्त्रो शहर की है। यहां के मेयर एंटोनियो तोरचिया ने शहर में रहने वाले लोगों के लिए आदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक, यहां बीमार होना बैन है। शहर के लोगों को खुद को बीमार होने से बचाना होगा। खासकर उन बीमारियों से जिनमें डॉक्टर की मदद की जरूरत पड़ती है। मेयर तोरचिया के मुताबिक, 'हम इस आदेश को थोड़ा मजाक के तौर पर ले रहे हैं। लेकिन इसके जरिए हम शहर में स्वास्थ्य सेवाओं की खराब हालत की ओर ध्यान दिलाना चाहते हैं।' इस शहर की आबादी करीब 1300 हैं। 1300 लोगों की आबादी वाले बेलकास्त्रो शहर में आधे से

अधिक लोग तो बुजुर्ग हैं। मेयर ने बताया कि यहां एक हेल्थ सेंटर तो है, लेकिन वो अक्सर बंद रहता है। वहीं, छुट्टी वाले दिन इमरजेंसी और रात के वक्त कोई भी डॉक्टर यहां उपलब्ध नहीं होता है। आसपास के हेल्थ सेंटर भी बंद हैं। यहां से सबसे नजदीकी इमरजेंसी रूम करीब 45 किलोमीटर दूर कैटानजारो शहर में है। ऐसे में जरूरी है कि एहतियातन इस तरह का आदेश जारी किया जाए। मेरयर तोरचिया ने कहा कि यह आदेश केवल लोगों को उकसाने के लिए नहीं है। यह आदेश मदद की गुहार है। इस आदेश के जरिए हम एक ऐसी स्थिति की ओर ध्यान दिलाना चाहते हैं, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। अपने आदेश में मेयर ने लोगों से अपील की है कि वे ऐसा कोई भी काम न करें जिससे उन्हें नुकसान पहुंचे या खुद बीमार हो जाएं। घर में होने वाले हादसों से खुद को बचाएं। ज्यादा बार घर से बाहर न निकलें। यात्रा करने या खेल खेलने से बचें। ज्यादातर समय आराम करें। हालांकि यह साफ नहीं है कि इस आदेश को कैसे लागू किया जाएगा। मेयर की मानें तो इस आदेश का मकसद स्थानीय अधिकारियों और स्वास्थ्य अधिकारियों का ध्यान इस समस्या की ओर दिलाना है। उन्होंने कहा कि जब तक शहर में पब्लिक हेल्थ सेंटर नियमित रूप से खुलना शुरू नहीं हो जाता, तब तक यह आदेश लागू रहेगा। इस आदेश के तर्क में मेयर ने यह भी कहा कि आप एक हफ्ते के लिए हमारे गांव में आकर रहकर देखिए। यहां रहकर आप खुद महसूस करेंगे कि अगर कोई मेडिकल इमरजेंसी आ जाए, तो कैटानजारो समय पर पहुंचना ही एकमात्र उम्मीद होती है। ऐसा करके देखिए फिर मुझे बताइए कि क्या आपको यह स्थिति सही लगती है।

दरअसल, इटली का यह खूबसूरत शहर कैलाब्रिया देश के सबसे गरीब शहरों में से एक है। यहां आबादी बहुत कम है। लोग यहां से पलायन कर रहे हैं. खासकर युवा पीढ़ी शहरों की ओर भाग रही है। इसकी वजह से यह इलाका वीरान होता जा रहा है। यहां ज्यादा बुजुर्ग ही बच गए हैं। 2021 में कैलाब्रिया के 320 कस्बों में से 75 प्रतिशत से अधिक कस्बों की आबादी 5,000 से भी कम रह गई थी। लोगों को डर है कि अगर यहां विकास नहीं हुआ तो यह कस्बे पूरी तरह से खाली हो जाएंगे। कुछ कस्बों ने तो लोगों को यहां रहने के लिए पैसे देने का ऑफर भी देना शुरू कर दिया है।

अडानी को निशाना बनाने वाले हिंडनबर्ग ने कामकाज किया बंद

अडानी समूह ने कहा- साम्राज्यों को चुनौती देने वाले का युग खत्म

» हिंडनबर्ग के कर्ताधर्ता एंडरसन ने की घोषणा

» बोले- कंपनी का चुनौतीपूर्ण कार्य निजी जीवन पर असर डाल रहा था

4पीएम न्यूज नेटवर्क

वाशिंगटन/नई दिल्ली। 2017 में शुरू की गई और उद्योगपति गौतम अडानी के खिलाफ अभियानों से अंतरराष्ट्रीय सुर्खियां बटोरने वाली फोरेंसिक वित्तीय शोध कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने अपना कामकाज बंद करने की घोषणा की है। इसके संस्थापक नेथन एंडरसन ने गुरुवार को यह घोषणा की। यह घोषणा ऐसे समय आई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल की शुरुआत होने वाली थी। 40 वर्षीय एंडरसन ने कहा कि कंपनी का गहन और चुनौतीपूर्ण कार्य उनके निजी जीवन पर असर डाल रहा था।

हालांकि, आलोचकों ने इसे जॉर्ज सोरोस और डीप स्टेट से जुड़े कथित दबाव का परिणाम बताया। एंडरसन ने लिखा कि हिंडनबर्ग की जांच और कार्य ने 100 से अधिक लोगों को नियामकों द्वारा आरोपित कराया। उन्होंने आगे कहा कि कंपनी ने कुछ ऐसे साम्राज्यों को हिलाया जो जरूरत से ज्यादा ताकतवर थे। उन्होंने अब अपने मॉडल को ओपन-सोर्स करने की योजना बनाई है ताकि लोग इस प्रक्रिया को सीख सकें। हिंडनबर्ग ने कई बड़ी कंपनियों को निशाना बनाया, जिनमें निकोलॉ (2020), लॉर्ड्सटाउन मोटर्स, क्लोवर हेल्थ, और आईकॉन इंटरप्राइजेज शामिल हैं। इनके कारण कई अरबपतियों और ओलिगार्क्स पर मुकदमे दर्ज हुए।

साभार-पीटीआई

HINDENBURG RESEARCH

अडानी समूह को भी किया प्रभावित

हिंडनबर्ग रिपोर्ट ने भारत में राजनीतिक भूचाल ला दिया, लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट ने इससे संबंधित याचिका खारिज कर दी। इस बीच, अडानी समूह ने मजबूत प्रदर्शन और सुधार के साथ अपनी स्थिति वापस पा ली।कई विश्लेषकों ने हिंडनबर्ग की गतिविधियों पर सवाल उठाए। बाजार विशेषज्ञ अजय बग्गा ने कहा कि शॉर्ट-सेलिंग करने वाले अवसर दीर्घकालिक लाभ नहीं कमा पाते। उन्होंने सुझाव दिया कि हिंडनबर्ग पर किसी नियामक कार्रवाई के डर से इसे बंद किया गया हो सकता है।

हिंडनबर्ग रिसर्च का बंद होना बना चर्चा का विषय

हिंडनबर्ग रिसर्च का बंद होना वित्तीय और राजनीतिक जगत में चर्चा का विषय बन गया है। इसे एक युग के अंत के रूप में देखा जा रहा है, जिसने कई साम्राज्यों को चुनौती दी।

अडानी ग्रुप के शेयरों में भारी उछाल

आज, 16 जनवरी को भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। बीएसई ने 595.42 अंकों की बढ़त के साथ 77,319.50 पर कारोबार शुरू किया, जो 0.78 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। वहीं, निफ्टी 50 भी 164.05 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 23,377.25 पर पहुंच गया, जो 0.71प्रतिशत ऊपर है। इसके साथ ही लगातार तीसरे दिन अडानी ग्रुप के सभी शेयर हरे निशान पर खुलकर कारोबार कर रहे हैं। अदाणी ग्रीन एनर्जी, अदाणी पावर, अदाणी पोर्ट्स, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयरों में शानदार बढ़त देखी जा रही है। सेंसेक्स पर लिस्टेड 30 शेयरों में जोमैटो, अडानी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट और बजाज फिनसर्व प्रमुख गेनर्स रहे, जिनके शेयरों में तेजी देखी गई।

हिंडनबर्ग वित्तीय धोखाधड़ी और गड़बड़ियों पर लगाता है दांव

हिंडनबर्ग, जिसे 2017 में एंडरसन ने स्थापित किया था, कंपनियों में वित्तीय धोखाधड़ी और गड़बड़ियों की जांच करके उन पर दांव लगाता था। 2023 में, इसने अडानी समूह पर कॉरपोरेट इतिहास की सबसे बड़ी धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया था। इन आरोपों के कारण अडानी समूह के शेयरों की कीमत में भारी गिरावट आई और 150 अरब डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ। हालांकि, अडानी समूह ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वे स्टॉक में हेरफेर और धोखाधड़ी की योजनाओं में शामिल नहीं हैं।

कितने गाजी आए, कितने गाजी गए : जुगेषिंदर रॉबी सिंह

अडानी समूह के मुख्य वित्तीय अधिकारी जुगेषिंदर रॉबी सिंह ने इस घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कितने गाजी आए, कितने गाजी गए।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने रचा इतिहास

435 रन बनाकर पुरूष टीम को भी छोड़ा पीछे

» आयरलैंड का सीरीज में 3-0 से साफ किया सूपड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राजकोट। भारतीय महिला टीम ने आयरलैंड को तीसरे वनडे में 304 रन से हराकर सीरीज अपने नाम कर ली। भारत ने इस सीरीज में 3-0 से आयरलैंड का सूपड़ा साफ कर दिया। इससे पहले टीम इंडिया ने दूसरा वनडे 116 रन और पहला मुकाबला छह विकेट से जीता था। बुधवार को खेले गए मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रतिका रावल (154) और स्मृति मंधाना (135) की दमदार पारियों की बदौलत 50 ओवर में पांच विकेट पर 435 रन बनाए।

जवाब में आयरलैंड की टीम 31.4 ओवर में 131 रन ऑलआउट हो गई। आयरलैंड को भारत ने 304 रन से हराकर बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। महिला वनडे में यह भारतीय टीम की रनो के हिसाब से सबसे बड़ी जीत है। टीम ने स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल के शतकों से वनडे इतिहास का अपना सर्वोच्च स्कोर बना डाला है। राजकोट में आयरलैंड के खिलाफ खेले जा रहे तीसरे वनडे मैच में भारत ने 50 ओवर में पांच विकेट पर 435 रन बनाए जो उसका इस प्रारूप में सर्वोच्च टोटल है। जबकि पुरुष टीम का 418 रन का स्कोर है। इससे पहले टीम ने आयरलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में पांच विकेट पर 370 रन बनाए थे जो उसका सर्वोच्च टोटल था, लेकिन अगले ही मैच में टीम ने इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। यह पहली बार है जब भारतीय महिला टीम वनडे में 400 रन के स्कोर को पार कर सकी है।

यो-यो फिटनेस टेस्ट फिर वापस लाएगी बीसीसीआई

मुंबई। गौतम गंभीर के कोच बनने के बाद से भारतीय टीम का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। खिलाड़ियों के खराब फॉर्म और टीम इंडिया के लचर प्रदर्शन ने बीसीसीआई को सख्त फैसले लेने पर मजबूर कर दिया है। बोर्ड कथित तौर पर फिटनेस टेस्ट के पुराने नियमों को वापस लाने का इच्छुक है जो विराट कोहली की कप्तानी के दिनों में लागू थे। बोर्ड ने खिलाड़ियों के कार्यभार और यात्रा को देखते हुए यो-यो फिटनेस टेस्ट की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया था। हालांकि, अब एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि नियम को वापस लाया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई की मेडिकल टीम को व्यस्त कार्यक्रम के कारण खिलाड़ियों को लग रही चोट को रोकने पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय चयन के लिए फिटनेस मानदंडों पर वापस जाने के लिए कहा गया है। यो-यो टेस्ट मैंडेट को पिछले टीम मैनेजमेंट द्वारा चोटों की संख्या को कम करने के लिए हटा दिया गया था, लेकिन अब इस पर बोर्ड यू-टर्न ले सकता है।

किसानों व दुग्ध संघ पर ध्यान दे मोहन सरकार

» सांची दुग्ध संघ के पक्ष में उतरे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह

» मुख्यमंत्री को लिखा पत्र निराकरण की मांग

4पीएम न्यूज नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह सांची दूध संघ से जुड़े किसानों और कर्मचारियों के पक्ष में उतर आए हैं उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने सीएम से सांची दुग्ध संघ, भोपाल से जुड़े किसानों और कर्मचारियों की परेशानियों पर ध्यान देने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सांची दुग्ध संघ को राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड को सौंप रही है और ऐसे में यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि इस प्रक्रिया से किसानों और कर्मचारियों के हितों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

पूर्व मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश सरकार द्वारा सांची दुग्ध संघ को राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड को सौंपे जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे यहां के लोगों को किसी तरह की समस्या नहीं होनी चाहिए। दिग्विजय ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि सभी बिंदुओं पर ध्यान देते हुए संबंधित विभागों को समुचित निर्देश दिए जाएं ताकि किसानों और कर्मचारियों के हित सुरक्षित रह सकें। उन्होंने कहा कि भोपाल दुग्ध संघ, जो प्रदेश के लाखों किसानों और कर्मचारियों की आजीविका का प्रमुख स्रोत है, उनके हितों की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए।

विस में जंगल सत्याग्रह फिल्म का शो में दिग्विजय के बुलाने पर भी नहीं पहुंचे बीजेपी के नेता

विधानसभा में फिल्म जंगल सत्याग्रह का प्रीमियर शो रखा गया। यह फिल्म दिखाने का निर्णय पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने लिया था। उन्होंने इसके लिए सभी बीजेपी और कांग्रेस नेताओं को निमंत्रण दिया था। लेकिन दिग्विजय सिंह के निमंत्रण पर बीजेपी के एक भी नेता नहीं पहुंचे, हालांकि कांग्रेस के सभी दिग्गज नेता इस दौरान मौजूद रहे। दरअसल यह फिल्म 1930 के स्वतंत्रता संग्राम में बैतूल के आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों पर आदिवासी कलाकारों द्वारा बनाई गई है। कांग्रेस नेताओं में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, पूर्व मंत्री ओमकार सिंह मरकाम समेत कई नेता पहुंचे। दिग्विजय ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, पूर्व सीएम उमा भारती, केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर सहित बीजेपी के तमाम विधायकों और मंत्रियों को जंगल सत्याग्रह के प्रीमियर शो देखने का न्योता दिया था। लेकिन कोई नहीं आया।

गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ दायर परिवाद में बयान दर्ज

» 23 जनवरी को होगी गवाही, आंबेडकर पर की थी टिप्पणी

4पीएम न्यूज नेटवर्क

सुल्तानपुर। डॉ. भीमराव आंबेडकर को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा टिप्पणी करना उन्हें महंगा पड़ सकता है। बीते 7 जनवरी को सुल्तानपुर के एमपी/एमएलए कोर्ट में दायर परिवाद में वादी का बयान दर्ज हुआ। विशेष मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने गवाही के लिए 23 जनवरी की तिथि नियत की है। परिवादी के अधिवक्ता जयप्रकाश का कहना है कि मामले में शाह को जमानत के लिए आना ही पड़ेगा।

याचिकाकर्ता धम्मौर थाना अंतर्गत बनकेपुर सरैया निवासी रामखेलावन अपने अधिवक्ता जयप्रकाश के साथ कोर्ट रूम में पहुंचे। जहां स्पेशल जज सामने कहा साहब, 17 दिसंबर को लोस में गृहमंत्री ने अंबेडकर-अंबेडकर (6 बार यह शब्द दोहराया) कहा था, एक फैशन हो गया है। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग हो जाता।

अयोध्या से आए किसानों ने खोली योगी सरकार की पोल

सपा कार्यालय में पूर्व सीएम से मिले

अखिलेश यादव बोले- अयोध्या में गरीबों की जमीन छीनने वालों को भगवान श्रीराम नहीं बख्शेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या से आए किसानों ने प्रशासन द्वारा उनकी जमीनों का मुआवजा नहीं दिये जाने का अरोप लगाया है। इन किसानों ने कहा कि वहां प्राधिकरण किसानों से जमीन ले रहा है। उचित मुआवजा नहीं दे रहा है। ये किसान आज सपा के पार्टी मुख्यालय में आए थे। वह जब अपना दर्द बयां कर रहे थे तब सपा प्रमुख व पूर्व सीएम अखिलेश यादव भी उपस्थित रहे।

पवन पांडे ने बताया कि किसान की जमीन को बगैर मुआवजा दिए लेने की बात कही जा रही है। किसान परेशान हैं। सरकार की जमीन लेकर पूंजीपतियों को दी जा रही है। पहले भी भूखंड लिया गया और गरीब किसानों से सस्ते में लेकर होटल के लिए महंगी कीमत पर दिया जा रहा है। किसान अयोध्या में विकास के खिलाफ नहीं है लेकिन कौड़ियों के भाव जमीन लेने के खिलाफ हैं। पहले ही हजारों बीघा ली गई जमीन खाली है। सौ फीसदी किसान लिखित में कह रहे कि हमें जमीन नहीं बेचनी जिस भाव में उद्योगपतियों को जमीन बेची जा रही है, उसी भाव में किसान से लें तो बेच देंगे। सौ से दो सौ साल से खेती कर रहे किसानों की जमीन नजूल की बताकर फ्री में ली जा रही है। उनके पास खतौनी भी है। ये बातें अयोध्या से आए किसानों ने सपा कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कही। इस दौरान पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव भी मौजूद रहे। अयोध्या के राजीव तिवारी ने बताया कि मैं राम की धरती से आया पीड़ित हूं। आवास विकास ने आवासीय काम के लिए जमीन ली और बेच दिया। हमसे पांच लाख में खरीदी और 1.81 करोड़ में बेची। हमसे जबरन भूमि लेकर हमें भूमिहीन किया जा रहा है। रामजन्भूमि ट्रस्ट ने 22 गुना सर्कल रेट से कराया। 48 लाख बिस्वा के रेट पर रजिस्ट्री कराई। पूजा वर्मा ने बताया कि अयोध्या की मूल निवासी हैं। कोरोना में पति की मौत हो गई। बीमा से मिले पैसे से जमीन खरीदी। आवास विकास बहुत कम कीमत में जमीन ले रहा है। कोई हमारी बात नहीं सुन रहा। बच्चों को कैसे पढ़ा सकूंगी। बेटी की शादी करनी है। राम यादव ने बताया कि माया जमतरा में सरकार 2000 किसानों को उजाड़ रही है। नजूल बताकर जमीन ली जा रही है जबकि बैंक लोन देते हैं। अदालत में स्वीकार्य है। टेंट सिटी के नाम पर हमे उजाड़ा जा रहा है। हम बर्बाद हो जायेंगे। अयोध्या के व्यापारी नेता रतन जायसवाल ने बताया कि मेरी जमीन भी आवास विकास जबरन ले रहा है। ये अत्याचार हो रहा है। पांच लाख बिस्सा के भाव पर लेकर करोड़ों में बेच रहा है। आवास विकास सारे नियम कानून की धज्जियां उड़ा रहा है। उद्योगपति होटल वालों को जमीन बेची जा रही है। हम अयोध्या के मूल निवासी हैं। क्या हम अयोध्या में रोजगार नहीं कर सकते। भूमिहीन होने जा रहे हैं। हरिराम ने कहा कि हमारी समस्या इतनी विकराल हो गई है कि भुखमरी के कगार पर आ गए हैं। खड़ी फसल को रौंद दिया गया। यादव बाहुल्य इलाकों में खास तौर पर अत्याचार हो रहा है।

मायावती ने पार्टी संगठन के कार्यों की समीक्षा की

मिल्कीपुर उपचुनाव को लेकर भी दिया दिशा-निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती आज यूपी के पार्टी संगठन की समीक्षा की। इस दौरान पिछली बैठक में पार्टी व मूवमेंट के हित में दिए गए कार्यों की समीक्षा करने के साथ ही आगामी कार्यों के लिए दिशा-निर्देश दिए। मॉल एवेन्यू स्थित पार्टी प्रदेश कार्यालय में होने वाली बैठक में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों, सभी जिलाध्यक्षों और अन्य जिम्मेदार लोगों को भी मौजूद रहने के लिए कहा गया है।

मायावती मिल्कीपुर चुनाव को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश दे सकती हैं। कुछ वरिष्ठ नेताओं को दिल्ली चुनाव में प्रचार के लिए जाने की जिम्मेदारी भी सौंप सकती हैं। इसके पहले मायावती ने बुधवार को अपने जन्मदिन पर मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन का कोई भविष्य नहीं है। जिस दिन कांग्रेस व भाजपा जैसे जातिवादी दलों के लुभावने वादों वाली राजनीति को जनता भांप जाएगी, तब बसपा फिर से वापसी करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस व भाजपा जैसे दल बसपा को खत्म करना चाहते हैं।

मायावती के दूसरे भतीजे ईशान के सियासत में आने की अटकलें तेज

बसपा सुप्रीमो मायावती के जन्मदिन पर उनके दूसरे भतीजे ईशान आनंद भी मौजूद रहे। इसके बाद आकाश आनंद की तरह उनकी भी सियासत में आने की अटकलें शुरू हो गई हैं। ईशान मायावती के छोटे भाई आनंद कुमार के छोटे बेटे हैं। वह बीते दिनों लंदन से कानून की पढ़ाई करके लेकर लौटे हैं। दरअसल, ईशान अपने बड़े भाई और बसपा के नेशनल कोआर्डिनेटर आकाश आनंद के साथ मायावती का जन्मदिन मनाने लखनऊ आए थे। पहले किसी ने उन पर ध्यान नहीं दिया लेकिन जब मायावती ने उनको अपने पास बुलाया तो मौजूद लोग अचरज में पड़ गए। ईशान का परिचय देकर बताया कि वह बीते दिनों लंदन से लौटे हैं और अपने पिता का कारोबार संभालने जा रहे हैं। बसपा सुप्रीमो अपने जन्मदिन के बाद दिल्ली चली जाती हैं, जहां पूरा परिवार जुटता है। इस बार उनके दिल्ली नहीं जाने की वजह से आकाश और ईशान लखनऊ आए थे। उनके सियासत में आने की अटकलों की वजह यह भी है कि इसी तरह आकाश आनंद की भी कई मौकों पर मायावती के साथ मौजूदगी के बाद उनका राजनीति में प्रवेश कराया गया था।

आकाओं के इशारे पर ईडी बदले की भावना से कर रही कार्रवाई : भूपेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले मामले पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा के गिरफ्तारी के बाद प्रदेश में सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। गिरफ्तारी के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि बदले की भावना से कार्रवाई की गई। केंद्र सरकार में बैठे अपने आकाओं के इशारे पर ईडी कांग्रेसी नेताओं को बदनाम करने में लगी है।

पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर लिखा कि पूर्व मंत्री और वरिष्ठ विधायक कवासी लखमा की गिरफ़्तारी बदले की भावना से की गई कार्रवाई है। केंद्र सरकार में बैठे अपने आकाओं के इशारे पर ईडी कांग्रेस नेताओं को बदनाम करने की साज़िश रच रही है। उन्होंने आगे लिखा कि पूरी कांग्रेस पार्टी कवासी लखमा के साथ खड़ी है। वहीं दूसरी ओर मामले में पूर्व मंत्री के गिरफ्तारी के बाद उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा का भी बयान सामने आया है। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि लखमा के आबकारी मंत्री रहते एफएल-10 के नाम पर स्कैम किया गया। अपनी ही सरकार में कवासी लखमा ठग लिए गए।

पीएम मोदी की तारीफ को लेकर इल्तिजा मुफ्ती ने कसा तंज

उमर अब्दुल्ला को पीडीपी ने घेरा कहा- इस दिल दीवाने पर वीरानी सी छायी, आप आए बहार आई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जो प्रशंसा की उसको लेकर पीडीपी की इल्तिजा मुफ्ती ने तंज कसा है। उन्होंने एक गाने का बोल लिखते हुए अब्दुल्ला पर निशाना साधा है। इल्तिजा मुफ्ती ने एक्स पर पोस्ट में लिखा सारे जमाने पर मौसम सुहाने पर, इस दिल दिवाने पर वीरानी सी छायी। आप आए बहार आई।

पीडीपी विपक्ष की भूमिका में है। चुनाव में इल्तिजा मुफ्ती सफल नहीं हो पाईं। हालांकि भविष्य की राजनीति तलाशने की दिशा में उनका सक्रियता इसी तरह से जारी भी है। वो लगातार इस कोशिश में लगी हैं कि सरकार पर अंकुश लगाया जाए, उनकी कमियां गिनाई जाएं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव कराने के अपने वादे को पूरा करने के लिए सोमवार को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की।

ज़ेड-मोड़ सुरंग के उद्घाटन के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए, उमर ने कहा कि पीएम मोदी ने अपना तीसरा कार्यकाल हासिल करने के बाद, श्रीनगर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में भाग लिया, जहां लोगों से वादा किया गया था कि चुनाव होंगे, और उन्हें मिलेगा।

आपने (पीएम मोदी) अपना वादा पूरा किया और चार महीने के भीतर चुनाव हुए। एक नई सरकार चुनी गई और परिणाम यह है कि मुख्यमंत्री के रूप में मैं यहां आपसे बात कर रहा हूं।

योगी सरकार में भाजपा नेता ही पुलिस के निशाने पर

प्रयागराज में भाजपा अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश सह-कोषाध्यक्ष को पुलिस ने थाने में बंद करके की पिटाई

आधी रात दो विधायक, महापौर व एमएलसी धरने पर बैठे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयाराज। अपनी ही सरकार में भाजपा नेताओं को पुलिस पीट रही है। बड़े-बड़े नेता धरना प्रदर्शन कर रहे हैं पर सुनने वाला कोई नहीं है। मामला प्रयागराज का है। वहां पर भाजपा अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश सह-कोषाध्यक्ष मनोज पासी ने झूंसी थानेदार और अन्य पुलिसकर्मियों पर उनकी थाने में बंदकर पिटाई करने का आरोप लगाया।

मामला तूल पकड़ा तो भाजपाई आक्रोशित हो उठे। रात में महापौर, दो विधायक, एमएलसी और जिलाध्यक्ष समेत भारी पार्टी कार्यकर्ताओं ने झूंसी थाने का घेराव किया। रात आठ बजे महापौर गणेश केसरवानी, फूलपुर विधायक दीपक पटेल, उत्तरी विधायक हर्षवर्धन वाजपेयी, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, गंगापार अध्यक्ष कविता पटेल, पूर्व एमएलसी निर्मला पासवान समेत सैकड़ों कार्यकर्ता झूंसी थाने पहुंच गए। एसीपी विमल किशोर मिश्र थाने पहुंचे तो महापौर और विधायकों ने उनसे बात करने से ही मना कर दिया। तब डीसीपी नगर अभिषेक भारती झूंसी थाने पहुंचे। भाजपाई झूंसी थानेदार उपेंद्र प्रताप सिंह समेत अन्य पुलिसकर्मियों के निलंबन की मांग कर रहे थे।

कई पुलिसकर्मी निलंबित

डीसीपी अभिषेक भारती ने बताया कि घटना के बाद तथ्यों के आधार पर चमनगंज चौकी इंचार्ज संतोष कुमार सिंह, दरोगा शिवराम यादव, जग नारायण और मुख्य आरक्षी पारस यादव को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही इनके खिलाफ विभागीय जांच बिठा दी गई है। इसके अलावा झूसी थाना प्रभारी उपेंद्र प्रताप सिंह के खिलाफ भी जांच के आदेश दिए गए हैं। सूचना पर एसीपी विमल किशोर मिश्र मौके पर पहुंचे तो सभी ने उनसे वार्ता से इन्कार कर दिया। तब डीसीपी नगर अभिषेक भारती झूंसी थाने पहुंचे। देर रात तक पुलिस अफसरों और भाजपाइयों में वार्ता चलती रही। कोई नतीजा नहीं निकल सका था। भाजपाई झूंसी थानेदार के निलंबन की मांग कर रहे थे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।